



# NOSEGAY

## PUBLIC SCHOOL

• Year : 01 • No : 05

• 25 March, 2018

• For Free Distribution

• Monthly

## THE CAREER GUIDANCE CENTRE- A GREAT FIRST STEP FOR BRIGHT CAREER

Nosegay Public School is among the few schools that realized the importance of guidance and counselling at the school level and became the first and only school in the district to have a proper "Career Guidance Centre" for the students with hi-tech facilities.

### 12 STUDENTS SELECTED IN JEE MAIN 2017



We achieved a milestone in 2017 when 12 out of our 70 non-medical students were selected in JEE-Mains, which is a selection rate of 17.14% whereas the top coaching institute of Kota gave only 15,107 selections with total students in lakh. Even if the strength is assumed to be 1, 50,000, the selection rate is just 10.07%.

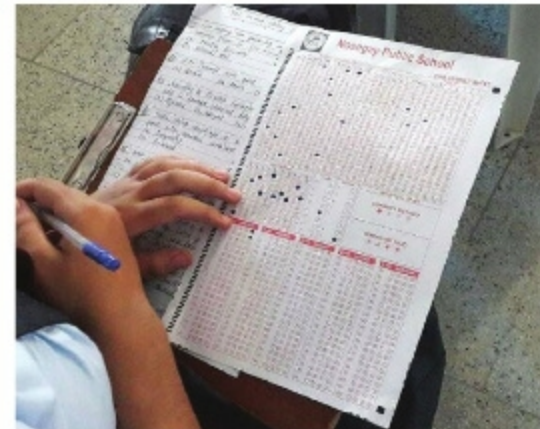
As per a report published in The Hindustan Times only in the year 2017, nearly 1.50 lakh students from across the country enrolled in the 40-odd coaching institutes in Rajasthan's Kota raising their strength to approx 3,00,000 and over 39,000 of their students have cleared the Joint Entrance Examination (JEE) Main 2017.

The analysis of above news again reveals that entire Kota gave a selection

rate of just 13% in JEE- Mains and Nosegay stands far ahead of all such money draggers that are playing with the future of innocent students.

Career Guidance Centre at Nosegay is operational since 2014 and has been ensuring selections in myriad fields as per the demands of 21st century. To quote a few, Nosegay students can be seen at Top Foreign Universities, top colleges of DU, top colleges of Mumbai, St. Stephens, Symbiosis Pune, Christ Bengaluru, Tolani Maritime University, National Defense Academy (NDA), Indian Military Academy (IMA), Officer's Training Academy (OTA), BITS, VIT and the list is uncountable.

It's my dream to see imprints of Nosegay students in all reputed institutes across the globe in coming years says **Ms. Priyanka Swami, Career Counsellor at Nosegay.**



## ओएमआर सीट से भी पेपर देंगे नोजगे के विद्यार्थी

श्रीगंगानगर। नोजगे पब्लिक स्कूल में कक्षा छह से बारहवीं तक के विद्यार्थी हर माह एक पेपर ओएमआर सीट से भी देंगे। संबंधित कक्षा के पाठ्यक्रम संबंधी अन्य पेपर के अलावा हर माह एक ऑब्जेक्टिव टाइप का पेपर भी होगा। इसमें विद्यार्थियों को ओएमआर सीट भरनी होगी एवं उसी ओएमआर सीट के आधार पर विद्यार्थियों की परीक्षा का मूल्यांकन किया जाएगा। हाल ही में नोजगे पब्लिक स्कूल में ओएमआर सीट के लिए विशेष मशीन व स्पेशल इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित किया गया है।

नोजगे के प्रबंध निदेशक डॉ.पी.एस. सूदन का कहना है कि इस तरह की परीक्षा का मुख्य उद्देश्य सभी विद्यार्थियों को भविष्य में कम्प्यूटेशन एजाम के लिए पूरी तरह से तैयार करना है। ओब्जेक्टिव टाइप के इस प्रश्न पत्र में कम्प्यूट करवाए गए पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएंगे। इससे विद्यार्थियों की ना सिर्फ विशेष तैयारी हो जाएगी, बल्कि भविष्य में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए ओएमआर सीट पर कार्य करने का अच्छा अभ्यास हो जाएगा। इसके लिए स्कूल के अध्यापकों का एक ग्रुप भी बनाया गया है, जो इस कार्य को सम्पादित करेंगे। इसके अलावा प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्न विद्यार्थियों की स्कूल स्तर की पुस्तकों में से ही पूछे जाते हैं, इसलिए विद्यार्थी अभी से इसकी तैयारी कर लेंगे तो वे चाहे किसी भी फ़िल्ड में प्रतियोगी परीक्षा दें, निश्चित रूप से सफल होंगे। यह प्रश्न पत्र एक घण्टे का होगा, जिसमें साइंस, मैथ, एसएसटी, मॉडेलिंग व जीके से संबंधित प्रश्न शामिल होंगे।

### क्या है ओएमआर सीट

ओएमआर अर्थात् ऑप्टिकल मार्क रिकॉग्निशन एक तरह का प्रारूप होता है, जिसका प्रयोग बहुविकल्पीय उत्तर वाले प्रश्नों के उत्तर देने में किया जाता है। इसके आधार पर ही उत्तरों की जांच की जाती है। सामान्यतः ऑप्टिकल आंसर शीट में काले रंग के गोले बने रहते हैं, जिन पर पेंसिल या डॉट-पेन से ही उत्तर दिया जाता है। ऑप्टिकल आंसर शीट में ही बार कोड होता है। बार कोड, स्वचालित कार्य (ऑटोमेटिक प्रोसेसिंग) के आधार पर उत्तर की जांच करता है। परीक्षार्थी द्वारा प्रारूप में भरी गई जानकारी को उत्तर-पुस्तिका जांच करने वाला ऑप्टिकल स्कैनिंग मशीन में डालता है। यह मशीन प्रोग्रामिंग के अनुसार सही, गलत उत्तरों की जांच करती है। इस मशीन में ऑप्टिकल कैरेक्टर रीडर (ओ.सी.आर.) लगा रहता है। यदि परीक्षा में ऋणमूलक अंकन है, तो स्कैनिंग मशीन, प्रोग्रामिंग के अनुसार नंबरों का आकलन करती है। ऑप्टिकल उत्तर पुस्तिका शीट भरने से पूर्व परीक्षार्थियों को कई तरह के निर्देश दिये जाते हैं, जैसे किसी उत्तर को बार-बार बिगाड़ने नहीं, गोले को सही से भरें, क्वॉक ऑप्टिकल आंसर शीट छोटी से छोटी गलतियों को पकड़ सकने में सक्षम होती है। यहां तक कि आंशिक रूप से भरा गया गोला भी इस मशीन के द्वारा पकड़ नहीं जाएगा, जिसे कॉपी जांचते समय इसे माना नहीं जाएगा इस मशीन की सहायता से सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि इससे समय बचता ही है, साथ ही परीक्षार्थी द्वारा भरे गए उत्तरों के साथ किसी प्रकार की छेड़छाड़ या बदलाव नहीं किया जा सकता है।

## नोजगे का यूके स्कूल से गठबंधन

स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत मिली स्वीकृति



श्रीगंगानगर। नोजगे पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों को विदेशी स्कूलों की शैक्षणिक व सहशैक्षणिक गतिविधियों से अवगत कराने के लिए स्कूल का गठबंधन संयुक्त राज्य अमेरिका के इम्बरहोर्न स्कूल से हुआ है। अब इन दोनों स्कूलों के विद्यार्थी आपस में वार्तालाप के साथ-साथ शैक्षणिक व सहशैक्षणिक विषयों पर बातचीत कर सकेंगे। स्कूल की ओर से इस स्कूल को भेजे प्रस्ताव के आधार पर स्कूल व अमेरिकन सरकार की ओर से इस प्रस्ताव को स्वीकृत कर दिया गया है।

ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत ना सिर्फ विद्यार्थी आपस में बातचीत कर सकेंगे, बल्कि स्कूल टीचर भी एक दूसरे से शैक्षणिक विषयों पर चर्चा कर सकेंगे। इससे वहां की अच्छी व्यवस्थाओं को स्कूल में आसानी से लागू किया जा सकेगा। इस कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन संवाद व शैक्षणिक गतिविधियों के लिए स्कूल में बड़ा हॉल व उसमें स्क्रीन स्थापित की जा रही है। इसमें ऑडियो वीडियो संबंधी अत्याधुनिक उपकरण के साथ-साथ प्रशिक्षित कम्प्यूटर तकनीकी स्टाफ की व्यवस्था की गई है।

नोजगे की करियर काउन्सलर प्रियंका स्वामी

## एन.डी.आर.एफ. का जनजागृति कार्यक्रम



श्रीगंगानगर। दिनांक 20 मार्च, 2018, नोजगे पब्लिक स्कूल के प्रेक्षागृह में जन जागृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एन.डी.आर.एफ. द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम गांधीनगर गुजरात की तरफ से संचालित किया जा रहा है। छठी बटालियन के 45 सदस्यों के एक दल ने टीम कमांडर एस.एस.

सेनी के निर्देशन में इस कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में एन.डी.आर.एफ. के सदस्यों ने विभिन्न दुर्घटनाओं के सजीव मंचन एवम् पी.पी.टी. द्वारा सुरक्षा नियमों व उपायों से अवगत कराया। कार्यक्रम में विभिन्न दुर्घटनाओं में रक्त के बहाव पर रोक, प्राथमिक उपचार, शरीर के किसी

भी अंग के चोटिल होने पर उपचार, सांप के काटने पर उपचार, भूकंप, बाढ़ आदि स्थितियों से तत्काल निकलने के उपायों की जानकारी दी गई। संस्था प्रधान ने अतिथियों को स्मृति चिह्न प्रदान किए एवं ऐसी महत्वपूर्ण जानकारी हेतु एन.डी.आर.एफ. के पूरे दल को धन्यवाद दिया।

# रंगमंच पर उतरे नन्हें कलाकार, तालियों से गुंजा ऑडिटोरियम

» किंडरगार्टन के बच्चों की शानदार प्रस्तुतियां

» नन्हें बच्चों को मिला बड़ा मंच

» नोजगे में तीन दिन चला नाट्य उत्सव

श्रीगंगानगर। विलियम शेक्सपियर ने कहा था कि जिंदगी एक रंगमंच है और हम लोग इस रंगमंच के कलाकार। सभी लोग जीवन को अपने-अपने नजरिये से देखते हैं। कोई कहता है। जीवन एक खेल है। कोई कहता है जीवन ईश्वर का दिया हुआ उपहार है। कोई कहता है जीवन एक यात्रा है तो कोई कहता है जीवन एक दौड़ है। महान शख्सियत की यह बात किसी बड़े क्त्ता ने नहीं की, बल्कि नोजगे के केजी सैक्सन के नन्हें बालक-बालिकाओं ने यह संदेश नोजगे के ऑडिटोरियम में मंच से दिया। मंच पर नाट्य उत्सव 21 से 23 मार्च तक चला। इस दौरान प्री नर्सरी से यूकेजी के छात्र-छात्राओं ने बड़े मंच पर ऐसा शानदार प्रदर्शन किया कि देखने वाले दांतों तले अंगुली दबाने पर मजबूर हो गए। छोटे-छोटे कार्यक्रमों से वह सदैव जुड़ा रहता है। ऐसी स्थिति में यदि शुरू से ही वह मंच से जुड़ बच्चों को बड़ा मंच मिलने पर उनके माथे पर ऐसा आत्मविश्वास झलक रहा था कि वे गया तो वह अपनी जॉब के साथ-साथ ऐसी गतिविधियों में अपना विशेष नाम कमा जीवन के हर क्षेत्र में करने में माहिर हैं। स्कूल के प्रबंध निदेशक डॉ.पी.एस. सूदन का



कहना है कि स्कूल के प्रत्येक विद्यार्थी में कोई ना कोई प्रतिभा छिपी हुई है। कोई पढ़ाई में अक्वल है तो कोई सहशैक्षणिक गतिविधि या खेल में। बच्चे में छुपी प्रतिभा की खोज उनके माता-पिता या कक्षा अध्यापक भी नहीं कर सकते, जितना कि एक मंच कर सकता है। ऐसी ही भावना को लेकर स्कूल में ऑडिटोरियम में हर विद्यार्थी को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान किया जाता है। जहां तक नाट्य प्रस्तुति की बात है, इस तरह के आयोजन में भाग लेने वाले तथा सामने बैठे छात्र-छात्राएं बहुत कुछ सीखते हैं। उनमें जीने का एक सलीका आता है। पढ़ाई पूरी होने के बाद चाहे किसी भी फिल्ड में जाए, नाट्य व मनोरंजक



## प्री नर्सरी व नर्सरी के छात्र-छात्राओं की प्रस्तुतियों ने मनमोहा

नोजगे पब्लिक स्कूल के किंडरगार्टन त्रिदिवसीय नाटकोत्सव की शुरुआत प्री नर्सरी के छात्र-छात्राओं की प्रस्तुतियों से हुई। नन्हें बालक-बालिकाओं ने अपनी भाव-भंगिमाओं के साथ ऐसी शानदार प्रस्तुतियां दी कि देखने वाले दंग रह गए। इस वार्षिक प्रस्तुतिकरण की शुरुआत कक्षा प्री-नर्सरी के आकर्षक नृत्य एवं नर्सरी के नाट्य प्रस्तुतिकरण से हुई। सर्वप्रथम कक्षा प्री-नर्सरी के नौनिहालों ने 'बम

**Pri Nursery & Nursery**

बम बोले' गीत पर मनोरंजक एवं मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। रंग-विरंगी पोशाकें पहने नन्हें-मुन्ने बालकों को थिरकते देख अभिभावक भी मंत्र-मुग्ध हो गए। तत्पश्चात् कक्षा नर्सरी एन के बालकों द्वारा शिष्टाचार के महत्व को प्रदर्शित करता नाटक, नर्सरी पी के बालकों द्वारा अभिप्रेरणा की महत्ता दर्शाता नाटक, नर्सरी एस के बच्चों द्वारा खेल-खेल में अध्ययन की महत्ता को दर्शाता नाटक एवं नर्सरी जी के बच्चों द्वारा

त्योहारों की महत्ता को प्रदर्शित करता नाटक प्रस्तुत किया गया। प्रतिवर्ष सत्र के समापन पर मनाए जाने वाले इस नाटकोत्सव में नौनिहालों द्वारा श्रेष्ठ नाट्य मंचन किया गया। इन नाट्य आयोजनों के माध्यम से बालक रूचिपूर्वक धारा प्रवाह अंग्रेजी में वार्तालाप सीखते हैं। नोजगे प्रेक्षागृह में संचालित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने पहुंचकर नाटकों का आनंद लिया व नौनिहालों के श्रेष्ठ अभिनय की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

## अली बाबा चालीस चोर, अंधेर नगरी चौपट राजा



किंडरगार्टन के वार्षिक प्रस्तुतिकरण का समापन कक्षा यूकेजी के नाट्य उत्सव से 23 मार्च को हुआ हुआ। इस कार्यक्रम में यूकेजी के बालकों द्वारा प्रसिद्ध नाटकों एवं कहानियों पर आधारित श्रेष्ठ नाट्य प्रदर्शन किया गया। नोजगे प्रेक्षागृह में आयोजित इस कार्यक्रम में आकर्षक वेशभूषा में सजे एवं माइक में धारा प्रवाह अंग्रेजी बोलते नन्हें-मुन्ने सधे हुए कलाकारों की तरह नाट्य मंचन कर रहे थे। कार्यक्रम की शुरुआत यूकेजी एन के नाटक 'अली बाबा एवं चालीस चोर' से हुई। अरबी साज-संगीत, वेशभूषा से युक्त नाटक ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कक्षा यूकेजी 'पी' के बच्चों ने भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के प्रसिद्ध नाटक 'अंधेर नगरी चौपट राजा' का मंचन किया। नाटक में बच्चों के अंधेर नगरी के मूर्ख एवं चौपट राजा की

कहानी का कुशल मंचन किया। यूकेजी 'एस' के बालकों द्वारा कन्या शिक्षा की महत्ता दर्शाता नाटक प्रस्तुत किया गया। यूकेजी जी के बच्चों ने मोची और बौने कहानी को प्रदर्शित करता नाटक प्रस्तुत किया एवं 'कर भला हो भला' की सीख दी। यूकेजी 'आर' के नौनिहालों ने 'सोई हुई राजकुमारी' नाटक के माध्यम से परियों से रूबरू करवाते हुए शाप एवं वरदान के बीच जूझती राजकुमारी की कहानी को मंचित किया। अंत में यूकेजी 'आई' के बच्चों ने 'पर्यावरण संरक्षण' पर नाट्य प्रदर्शन कर पर्यावरण को सुरक्षित रखने की सीख दी। बालकों के अत्यंत कुशल अभिनय एवं अंग्रेजी भाषा ज्ञान एवं भावाभिव्यक्ति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बड़ी संख्या में अभिभावकों एवं गणमान्य नागरिकों ने पहुंचकर कार्यक्रम का आनंद लिया।

**UKG**

## अंधेर नगरी चौपट राजा का हुबहू चित्रण

'अंधेर नगरी चौपट राजा'... स्कूल ऑडिटोरियम में प्रस्तुत किया गया यह नाटक दर्शकों को बहुत अच्छा लगा। जिसका हुबहू चित्रण प्रस्तुत किया जा रहा है। यह नाटक 6 अंकों में विभक्त है। इसमें अंक के बजाय दृश्य शब्द का प्रयोग किया गया है। पहले दृश्य में महंत अपने दो चेलों के साथ दिखाई पड़ते हैं जो अपने शिष्यों गोवर्धन दास और नारायण दास को पास के शहर में भिक्षा मांगने भेजते हैं। वे गोवर्धन दास को लोभ के बुरे परिणाम के प्रति सचेत करते हैं। दूसरे दृश्य में शहर के बाजार का दृश्य है जहाँ सबकुछ टके सेर विक रहा है। गोवर्धन दास बाजार की यह कफैयत देखकर आनन्दित होता है और दास पैसे में ढाई सेर मिठाई लेकर अपने गुरु के पास लौट जाता है। तीसरे दृश्य में महंत के पास दोनों शिष्य लौटते हैं। नारायण दास कुछ नहीं लाता है जबकि गोवर्धन दास ढाई सेर मिठाई लेकर आता है। महंत शहर में गुणी और अवगुणी को एक ही भाव मिलने की खबर सुनकर सचेत हो जाते हैं और अपने शिष्यों को तुरंत ही शहर छोड़ने को कहते हैं। वे कहते हैं- सेत सेत सब एक से, जहाँ कपूर कपास। ऐसे देश कुदेस में, कबहूँ न कीजे बास। नारायण दास उनकी बात मान लेता है जबकि गोवर्धन दास सस्ते स्वादिष्ट भोजन के लालच में वहीं रह जाने का फैसला करता है। चौथे दृश्य में अंधेर नगरी के चौपट राजा के दरबार और न्याय का चित्रण है। शराब में डूबा राजा फरियादी के बकरी दबने की शिकायत पर बनिया से शुरु होकर कारीगर, चूनेवाले, भिश्ती, कसाई और गड़रिया से होते हुए कोतवाल तक जा पहुंचता है और उसे फांसी की सजा सुना देता है। पांचवें दृश्य में मिठाई खाते और प्रसन्न होते मोटे हो गए गोवर्धन दास को चार सिपाही पकड़कर फांसी देने के लिए ले जाते हैं। वे उसे बताते हैं कि बकरी मरी इसलिए न्याय की खातिर किसी को तो फांसी पर जरूर चढ़ाया जाना चाहिए। जब दुबले कोतवाल के गले से फांसी का फंदा बड़ा निकला तो राजा ने किसी मोटे को फांसी देने का हुक्म दे दिया। छठे दृश्य में शमशान में गोवर्धन दास को फांसी देने की तैयारी पूरी हो गयी है। तभी उसके गुरु महंत जी आकर उसके कान में कुछ मंत्र देते हैं। इसके बाद गुरु शिष्य दोनों फांसी पर चढ़ने की उतावली दिखाते हैं। राजा यह सुनकर कि इस शुभ घड़ी में फांसी चढ़ने वाला सीधा बैकूट जाएगा और वह स्वयं को ही फांसी पर चढ़ाने की आज्ञा देता है। इस तरह अन्यायी और मूर्ख राजा स्वतः ही नष्ट हो जाता है।



# नाटक के माध्यम से बताया मित्रता का महत्व



त्रिदिवसीय नाट्य उत्सव के दूसरे दिन कृष्ण सुदामा की मित्रता को दर्शाता नाटक के साथ एलकेजी पी के छात्र-छात्राएं मंच पर उतरे तो दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका जोरदार स्वागत किया। छात्र-छात्राओं ने इस नाटक में शानदार भाव भंगिमाएं व संवाद प्रस्तुत किए। इसके अलावा कक्षा एलकेजी एन के नाटक 'स्नोवाइट एवं सात बौने' नाटक को बेहतर ढंग से प्रस्तुत किया। एलकेजी एस के बच्चों

**LKG**

द्वारा 'माता-पिता की आज्ञापालन' की महत्ता को प्रदर्शित करता नाटक, एलकेजी 'जी' के बच्चों द्वारा 'दो भेड़िए एवं सात बकरियां' कहानी पर आधारित नाटक, एलकेजी 'आर' के बच्चों द्वारा 'पिनाकियो' के माध्यम से सत्य के महत्व को प्रदर्शित करता नाटक प्रस्तुत किया गया। रंज-बिरंजे परिधानों से सज्जित बालक सधे हुए कलाकारों की तरह प्रदर्शन कर रहे थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकगण ने पहुँचकर आनंद लिया।

## नाटक से सीखने की सहज वृत्ति का निर्माण संभव

विद्यालय प्रबंध निदेशक डॉ.पी.एस. सुदन का कहना है कि नाटकीय खेल एक ऐसी मनोरंजनात्मक प्रक्रिया है, जिसे खेलते हुए छात्रों में सीखने की सहज वृत्ति का निर्माण होता है। यह सतही स्तर पर महज कुछ खेल ही लगता है लेकिन मन और मस्तिष्क की गहराइयों में इसका बहुत ही सूक्ष्म प्रभाव पड़ता है। दैहिक अभ्यास नाट्यकला की बहुत ही महत्वपूर्ण गतिविधि है। इसकी व्याख्या नाट्य शास्त्र में विस्तृत रूप से की गई है। किसी भी भाव को अभिव्यक्त करने हेतु बॉडी लैंग्वेज की अहम भूमिका है। किताबों में रचित गूढ़ और गंभीर बातों को समझने और समझाने के लिए बॉडी लैंग्वेज का उपयोग आवश्यक होता है जिसे समझ करने के लिए कुछ अभ्यास करना पड़ता है। प्रख्यात नाट्य निर्देशक मेयर होल्ड ने इस संदर्भ में एक थियेटर बायोमैकेनिक्स का सिद्धांत खड़ा किया है जो शिक्षा में दैहिक भाषा के व्यवहारिकरण में बहुत ही उपयोगी है। वाचिक परंपरा हमारे वेदकाल से ही मौजूद रही है। किसी भी शब्द और वाक्य को स्पष्ट



और अर्थपूर्ण बनाने के लिए वाचिक अभ्यास अत्यंत ही आवश्यक है। रंगमंच के बहुत सारे व्यवहारिक एवं तकनीकी क्रियाकलाप हैं, जिनके माध्यम से छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व को समग्र रूप से विकसित किया जा सकता है। इन सबके अलावा नाटक विद्यार्थियों को जीने का सलीका भी सिखाता है। स्कूल में विद्यार्थियों को रंगमंच उपलब्ध करवाने का मुख्य उद्देश्य उनका जीवन खुशी से लबालब करना है। क्योंकि जिसने भी रंगमंच के तिलस्मी दायरे में कदम रखा, रंगमंच उसकी रंग-रंग में उतर गया। वो दूर जाकर भी कभी रंगमंच से दूर नहीं हो सका। दरअसल, रंगमंच को जीने वाले, इसे जिंदगी जीने का सलीका कहते हैं। रंगमंच के पथ पर चलकर जीवन को जानने, समझने और जीने का हुनर आता है। एक रंगकर्मी के रूप में दूर खड़े होकर खुद को भी एक विश्लेषक की नजर से देख सकते हैं। हम देख सकते हैं अपनी खूबियाँ और अपने ऐब भी। थिएटर से जुड़ा शख्स अपने जीवन को बहुकोणीय स्तर पर जाकर देख सकता है। रंगमंच का सम्मोहन अद्भुत है।



# ACADEMIC STREAMS IN NOSEGAY

Manisha Aggarwal

A multi dimensional, academic approach frees students from conventional boundaries, allowing them to learn deeply from many perspectives. They can explore courses and opt for areas of learning related to their areas of interest.

At Nosegay, our rigorous academic approach goes beyond developing scholarly knowledge to help our students achieve their aims. The school provides best in-class infrastructure facilities to the students. The learning needs of each student are met in an environment that is supportive and affirming. Peer tutoring and enrichment classes are regularly conducted to optimize learning outcomes. The students of Nosegay have excelled in all fields and have pro-

ceeded to study in top colleges of India and abroad. The school prepares students for the All India Secondary School Examination and All India Senior Secondary School Certificate Examination of the Central Board of Secondary Education.

The Board facilitates education through streaming. Streaming refers to the grouping of students by interest. All students come face to face with the choice that determines what career path they would walk on. This moment of choosing, for students in India, comes after the class 10 examinations. This is the golden moment of reckoning in Nosegay when a student has to choose between the three streams in which they would further pursue a career Science, Commerce, Humanities / Arts.

## स्वच्छ भारत मिशन की वेबसाइट पर नोजगे को मिला स्थान



श्रीगंगानगर। नोजगे पब्लिक स्कूल में स्वच्छता को केन्द्र सरकार की स्वच्छ भारत मिशन की मुख्य वेबसाइट पर स्थान मिला है। स्कूल में स्वच्छता संबंधी सभी पैमानों पर खरा उतरने से विद्यालय को यह स्थान मिला है। मोदी सरकार के स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता अभियान को गति देने वाले स्कूलों को प्रोत्साहित करने के लिए केन्द्र सरकार ने यह कदम उठाया है। मोदी सरकार के स्वच्छ भारत अभियान के तहत कुछ समय पूर्व केन्द्र सरकार की विशेष टीम ने स्कूल का भ्रमण किया और स्कूल में स्वच्छता संबंधी सभी पहलुओं का बारीकी से अध्ययन किया। इस दौरान उन्होंने स्कूल में स्वच्छता संबंधी मायने पूर्ण होने के साथ-साथ पाया कि स्कूल में स्वच्छता के लिए कमेटी भी बनाई हुई है। इसके अलावा असीमवती व कक्षा-कक्षा में विद्यार्थियों को स्वच्छता अभियान के बारे में हर रोज अवगत कराया जाता है। इस टीम ने राष्ट्रीय स्तर पर देशभर के विभिन्न राज्यों के विद्यालयों में स्वच्छ पेयजल, सौचालय, साबुन सहित हाथ धोने की समुचित व्यवस्था, स्वच्छता के अंतर्गत विद्यालयों की समुचित रख-रखाव व्यवस्था, स्वच्छता के अंतर्गत विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों की आदतों में आए सकारात्मक बदलाव आदि मानदंडों पर विस्तृत रूपरेखा तैयार की तथा उसकी एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भिजवाई थी। उसके बाद इस स्कूल को इस वेबसाइट पर स्थान मिला। वेबसाइट पर स्कूल का नाम व फोटो डालने का उद्देश्य देशभर के स्कूलों को ऐसी सफाई व स्वच्छता के लिए प्रेरित करना है।

## सीबीएसई स्कूलों के कमजोर बच्चों को मिलेगा स्पेशल ट्रीटमेंट

श्रीगंगानगर। फिटनेस या अन्य कारणों से कमजोर बच्चों को अब सीबीएसई स्कूलों में स्पेशल ट्रीटमेंट मिलेगा। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने इस पर कदम आगे बढ़ाया है। बोर्ड फॉर चिल्ड्रन विद स्पेशल नीड्स योजना शुरू करेगा। इस योजना में स्पेशल नीड्स वाले बच्चों को सामान्य विद्यार्थियों के साथ बराबरी पर खड़ा करना लक्ष्य है। सीबीएसई ने हाल ही में प्राचार्यों को पत्र लिखकर योजना के बारे में सुझाव भी मांगा है। पत्र में योजना को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई है। इसमें लेवल ऑफ कनक्लूजन, एक्जामिनेशन जैसे विषयों पर फोकस किया गया है। प्राचार्यों से मिले सुझावों के बाद सीबीएसई इस योजना को अमल में लाएगा। इसमें स्पेशल नीड्स वाले बच्चे यानी शारीरिक रूप से अक्षम, पढ़ने लिखने व समझने में कमजोर हो। लास्ट बेंच पर फुल फोकस होगा। स्लो लर्निंग, अधिक समय : बोर्ड के पत्र में इस बात का भी जिक्र किया गया है कि ऐसे बच्चे जो स्लो लर्निंग के शिकार हैं।

## Commerce



The commerce stream is quite a popular choice in India, as students feel that the commerce stream offers them multiple career options that would bring success as well as financial security. Major subjects covered under the commerce stream are -

1. Accountancy
2. Economics
3. Business Studies
4. Mathematics
5. English

## Science



Science can be defined as a systematic study and investigation of natural phenomena and occurrences by observation, theoretical explanation and experimentation. Such studies help humans to know more about the world we live in and how various natural processes and phenomena occur. Science can be divided into three broad subjects -

1. Physics
2. Chemistry
3. Biology
4. English
5. Maths
6. Computer Science

## Arts / Humanities



It is an academic discipline which deals with the study of the Human conditions, utilizing methodologies that are usually analytical, critical or speculative.

Major subjects covered under the Arts stream are -

1. History
2. Geography
3. Political Science
4. Psychology
5. English
6. Hindi
7. Music
8. Fine Arts
9. Physical Education

**EDITORIAL**



Dear children

Its time for our kids to load up their backpacks, don their new threads and head back to school. Remember, its worth it. There is nothing like getting good education. It gives us a good foundation for the rest of our lives.

A good beginning makes a difference. Children ensure that you begin this academic year with new hopes and positive attitude to brighten this chapter in your school life. I feel immense pleasure in informing you about our student exchange programme with Imberhome School in UK. Remember that you are a fantastic person and no one can take that away from you. Welcome Back!

- Dr. P.S. Suden

# नोजगे में भारतीय खेल प्राधिकरण का सेंटर

## हैण्डबॉल व टेबल टेनिस के लिए साई सेंटर की स्वीकृति



श्रीगंगानगर। नोजगे पब्लिक स्कूल में खेल संबंधी आधारभूत सुविधाओं को देखते हुए भारतीय खेल प्राधिकरण (स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ इंडिया) ने स्कूल में साई सेंटर की स्वीकृति प्रदान की है। प्राधिकरण की ओर से टेबल टेनिस व हैण्डबॉल के लिए स्कूल को अधिकृत किया गया है। प्रथम चरण में इस सेंटर में खेल प्रशिक्षण के लिए टेबल टेनिस व हैण्डबॉल के लिए 20-20 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। इन खिलाड़ियों को प्रति वर्ष स्कॉलरशिप, किट व नाश्ता संबंधी भत्ता सरकार की ओर से देय है। टेबल टेनिस के खेल प्रशिक्षक मनोज शर्मा ने बताया कि स्कूल में टेबल टेनिस के लिए 12 टेबल व टेबल टेनिस रोबोट हैं तथा हैण्डबॉल के लिए सुविधाओं युक्त खेल मैदान उपलब्ध है। कुछ समय पूर्व खेल ऑथोरिटी ऑफ इंडिया की टीम ने स्कूल का भ्रमण किया और उन्होंने स्कूल में खेल संबंधी व्यवस्थाओं को देखते हुए इसकी स्वीकृति प्रदान की।



### क्या है खेल प्राधिकरण

भारतीय खेल प्राधिकरण भारत के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय का महत्वपूर्ण अंग है। अपनी खेल प्रोत्साहन योजनाओं के माध्यम से भारतीय खेल प्राधिकरण युवाओं में प्रतिभा उत्पन्न करने का काम करता है। इसके लिए वह उन्हें आवश्यक आधारभूत ढांचा, उपकरण, प्रशिक्षण सुविधाएं और प्रतियोगिता के अवसर प्रदान करता है। खेल आज मानव व्यक्तित्व के चौमुखी विकास का अभिन्न अंग है और खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने का राष्ट्रीय गौरव और मनोबल पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। इस बदलते राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य की बढ़ती मांगों की पूर्ति के लिए सरकार ने खेलों में उत्कृष्टता लाने के कार्यक्रमों को क्रियान्वित करने का दायित्व अपने उपर लिया है।

## Nosegay students Invited by the Wheaton College, USA To Attend a 5 day Seminar

Three students of Nosegay have been invited to attend a Seminar by the Wheaton College in USA. All expenses will be paid by the Wheaton College.

Nosegay has always been active in creating a holistic education system.

We have always welcomed foreign partnerships and collaborations.

Our efforts to embrace the benefits of cooperation paid off when

recently we got an opportunity to nominate our 10 students of grade 10 and 11 for "Global Leadership Summer Program 2018, USA" at Wheaton College.

Selected 3 students will get an entirely paid scholarship (including course fee, accomodation, food, return airfare) for a 5 day seminar on "Innovation and Social Change".

We wish our kids all the best for this great exposure.

## नोजगे विद्यार्थियों को यूएसए से 1 मिलीयन डॉलर छात्रवृत्ति

नोजगे पब्लिक स्कूल श्री गंगानगर के विद्यार्थियों ने पुनः अपनी शैक्षणिक प्रतिभा का लोहा मनवाया है। नोजगे स्कूल की कक्षा 12 के विद्यार्थी निपुण कालड़ा और विकास राजपाल ने Next Genius Scholarship प्रोग्राम के तहत आयोजित ऑनलाइन परीक्षा में 2 अक्टूबर 2016 को भाग लिया व अर्हता परीक्षा उत्तीर्ण की। परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए दोनों छात्रों ने प्राथमिक स्तर उत्तीर्ण करते हुए अनंतिम रूप से Wheaton



College, Boston, USA में एडमिशन हेतु योग्यता व 1 million US \$ ( लगभग 6.5 करोड़ रुपये) की छात्रवृत्ति अर्जित की। एडमिशन कार्डसलिंग के लिए दोनों छात्रों को 12 नवम्बर 2016 को मुम्बई आमंत्रित किया गया, वहां इंटरव्यू के बाद इन विद्यार्थियों को उक्त छात्रवृत्ति के लिए फाइनल स्वीकृति प्रदान की गई। दोनों छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने अभिभावकों, शिक्षकों व विद्यालय प्रबंधन को दिया। वर्ष 2017 में स्कूल के विद्यार्थी लक्ष्य चावला का भी इस छात्रवृत्ति के लिए चयन हुआ है।

## Sports Achievements of Nosegay - 2017-18



**HANDBALL U 19 WINNERS CHAMPION WEST ZONE**



**NATIONAL HANDBALL SECOND RUNNERUP GWALIOR**



**CBSE CLUSTER ALL OVER CHAMPION IN TABLE TENNIS**



**CBSE CLUSTER KABBADDI SECOND POSITION**

Affiliated to CBSE, New Delhi A CONTINUOUS QUEST FOR EXCELLENCE Affiliation No. 1730122

# NOSEGAY PUBLIC SCHOOL

Hanumangarh Road, Sri Ganganagar 335001 (Rajasthan) India 0154-2465813, 2100814  
www.nosegaypublicschool.com nosegaysgnr@hotmail.com



- Generally 25% students secure above 90% marks.
- 15% students in the Senior Secondary score above 90% marks.
- 35% students in the Senior Secondary score above 80% marks.
- Darvik Bhaskar's exclusive survey ranked NOSEGAY at the first position in the list of top 10 schools of the region with lowest fee structure.
- A serene state of the art infrastructure covering over 12 acres.
- High-tech facilities, ultra-modern vast infrastructure, with multimedia, auditorium, conference hall, swimming pool, gym, latest indoor and outdoor sports complex & a dedicated team of around 400 staff members.
- Nosegay Team has the spectacular achievement of being the NATIONAL CHAMPION in CBSE Handball twice.
- Nosegay Team won the West Zone Handball Championship four times.
- The school team won the Cluster Volleyball Championship twice.
- Nosegay team was the National Champion in Judo in 2003 and won the West Zone Judo Championship twice.
- West Zone Cluster Table-Tennis Championship was retained for a decade.
- Silver and Bronze Medal in International Chess Championship (Kondy, Sri Lanka)
- Nosegay Team has successfully unfurled the school flag 8 times as victors in Athletics CBSE Clusters.
- School has broken Asia Record of largest number of paintings exhibition.
- All the classrooms are digitally equipped (smart classes) with the latest learning software.
- The entire campus is under strict surveillance with CCTV cameras everywhere & a committed leased line.
- The school premises are adorned with four big libraries with a collection of around 60,000 books.
- Regular NTSE selections.
- Biggest AC Auditorium (1200 seats) with latest audio visual equipments and two art galleries make NOSEGAY a school of international standard. School conducts regular concerts of reputed artists.
- Learning while enjoying through educational excursions to USA, Europe etc.
- Easy placement in prestigious institutes worldwide for higher learning.
- Famous artists from school in feature films and TV.
- MOU with state university of New York (USA) for higher studies.
- Students exchange programmes with foreign countries.
- National coverage of the school in National channels like RAJYA SABHA TV, STAR TV & ZEE TV
- SAI Training Centre of Hand Ball and TT
- Hostels: Separate Girls & Boys hostels are of international standard in campus with triple scoted air conditioned rooms, attached facilities and an excellent kitchen. Special coaching in required subjects, multimedia, theatre, swimming pool, library, horse riding, gym, yoga, indoor & outdoor games are amongst the many facilities enjoyed by the hostel students.